B. A I year भूगोल

PAGE NO.: ______
DATE: / /

प्रक्रिया या प्रक्रम

① अवस्था – किसी क्षेत्र की भू आकृति का विकास ऊपर बताई गई संरचना एवं प्रक्रिया के माध्यम से होता रहता है। इसकी पहचान एवं व्याख्या अवस्था के अन्तर्गत आती है। अवस्था को सरलता से समझाने के लिए डेविस ने अवस्था क्रम को मानव आयु स्वरूप की भाँति –

① प्रारम्भिक अवस्था (बाल्यावस्था) इसमें भू आकृति नवीन होने से ऊँची नीची होते हुए भी कम लक्षणों वाली होती है।

② युवावस्था – इस अवस्था मे सैर प्रदेश मे तेजी से विकास होने से वहां गहरी घाटियां तेज ढाल घुमावदार नदी घाटियां उनमे झरने व झीलें अन्य शुष्क प्रदेशो मे बजाड़ा बालू के टीलें पथरीली आकृतियां एवं विविध प्रकार के लक्षण भू आकृति पर विकसित होते जाते है।

③ प्रौढावस्था – समय बितने के साथ साथ संरचना एवं प्रक्रिया के सम्मीलित प्रभाव से किसी भी क्षेत्र की भू आकृति युवावस्था से धीरे धीरे या निरंतर प्रौढावस्था को प्राप्त करती है। इस ढाल क्रम ढीला और नियमित होने लगता है